शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

शुक्रवार 11 सितंबर 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in ● वर्ष : 11 ● अंक : 125 ● पृष्ठ : 06 ● मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

असम में एसपी गिरफ्तार, चोरी मामले में शामिल होने का आरोप

गोलाघाट। असम के गोलाघाट जिले के सरूपथर के को-डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (सीडीएसपी) को गुरुवार को ओएनजीसी पाइपलाइन से कच्चे तेल की चोरी के मामले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। को-डिस्ट्रिक्ट, जिलों के भीतर छोटी प्रशासनिक इकाइयां होती हैं। गोलाघाट के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस स्वप्ननील डेका ने बताया कि सीडीएसपी दिपेन पातर पर 3 अगस्त को सरूपथर पुलिस स्टेशन के तहत श्याम गांव में हुई चोरी में शामिल होने का आरोप है।

ऑनलाइन चाइल्ड सेक्सुअल कंटेंट पर केंद्र से जवाब मांगा

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बच्चों को चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेशन एंड एब्यूज मटेरियल से बचाने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया। बेंच ने बच्चों को ऑनलाइन कंटेंट से बचाने के लिए डिजिटल सिस्टम में फायरवॉल की जरूरत पर जोर दिया।

इसरो ने सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया

इसरो ने सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 किलो न्यूटन के बढ़े हुए थ्रस्ट पर सफल परीक्षण किया है। इससे एलवीएम3 रॉकेट ज्यादा वजन अंतरिक्ष में ले जा सकेगा और गगनयान मिशन को भी फायदा होगा। इसरो ने बताया कि यह परीक्षण 9 सितंबर को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) में किया गया। यह होने वाले एलवीएम3 मिशन के सी32 अपर स्टेज में इस्तेमाल होने वाले इंजन का टेस्ट था। इसरो अब इस इंजन की बढ़ी हुई ताकत वाले ई32 स्टेज का इस्तेमाल भविष्य के एलवीएम3 मिशनों में करने की तैयारी कर रहा है।

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

एसटीएफ को भोपाल के मठ से मिले 40 फर्जी पासपोर्ट

बांग्लादेशियों को भारतीय पहचान दिलाने की गैंग; फर्जी आधार-पैन भी बनवाए

भोपाल | एजेंसी
rashtrabaan.in

भोपाल के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित अन्ना नगर के एक मठ के पते से करीब 40 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी होने का खुलासा हुआ है।

एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि फर्जी पासपोर्ट बनाने वाला गिरोह बांग्लादेश से भारत आए लोगों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय नागरिक के रूप में तैयार करता था। इसके बाद आधार, पैन और जन्म प्रमाण पत्र बनवाकर भारतीय पासपोर्ट हासिल कराए जाते थे। एसटीएफ को भोपाल और डबरा के पतों से अब तक 70 से ज्यादा संदिग्ध पासपोर्ट जारी होने की जानकारी मिली है। मामले की जांच के लिए पांच सदस्यीय टीम असम रवाना हुई है। टीम गिरोह के नेटवर्क और इससे जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है।

एक मठ के पते से 40 पासपोर्ट

जांच में सामने आया कि डबरा के सिमरिया टेकरी स्थित बौद्ध विहार कॉलोनी के एक ही पते से करीब 30 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी हुए थे। इसके बाद जांच भोपाल के अन्ना नगर स्थित मठ तक पहुंची। यहां भी एक ही पते से करीब 40 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी होने की जानकारी मिली। ये पासपोर्ट 2021, 2022 और 2023 के दौरान जारी हुए हैं।

दो आरोपी गिरफ्तार, मास्टरमाइंड जेल में

एसटीएफ के मुताबिक, मामले में अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मास्टरमाइंड रियाल चौधरी भी जेल में है। पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। एसपी एसटीएफ राहुल लोढ़ा ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में आगे कार्रवाई की जा रही है।

बांग्लादेश से आए लोगों को भारतीय पहचान

एसटीएफ के मुताबिक, गिरोह कथित तौर पर बांग्लादेश से भारत आए लोगों की जानकारी जुटाता था। फिर उनके नाम से आधार कार्ड, पैन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज तैयार कराए जाते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पता और पहचान का रिकॉर्ड तैयार किया जाता था। इसके बाद पासपोर्ट के लिए आवेदन कराया जाता था।

बौद्ध अनुयायी बनकर विदेश यात्राएं

फर्जी भारतीय पासपोर्ट हासिल करने वाले कुछ लोग खुद को बौद्ध अनुयायी बताकर विदेश यात्रा करते थे। एसटीएफ को इनके थाईलैंड, मलेशिया, चीन, श्रीलंका और जापान जाने की जानकारी मिली है। अब जांच एजेंसी यह पता लगा रही है कि इन यात्राओं के पीछे सिर्फ फर्जी पहचान का इस्तेमाल था या गिरोह का कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क भी सक्रिय है। एक पते से दर्जनों पासपोर्ट, सत्यापन पर सवाल एक ही मठ या विहार के पते से दर्जनों पासपोर्ट जारी होने के बाद पुलिस और स्थानीय सत्यापन प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं।

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा- भारत के पास 190 परमाणु बम है

35 और बनाने लायक प्लूटोनियम भी; समुद्र में बना रहा 'न्यूक्लियर कवच'

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

भारत के पास 190 परमाणु हथियार हैं। अगले कुछ सालों में यह 35 और बना सकता है, इस तरह यह संख्या 225 तक पहुंच सकती है। यह जानकारी अमेरिकी थिंक टैंक फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) की नई रिपोर्ट में सामने आई है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत समुद्र से परमाणु हमला करने की क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों के बेड़े के जरिए भारत समुद्र में अपना 'न्यूक्लियर कवच' बना रहा है। इन 190 परमाणु हथियारों में से 160 से ज्यादा मौजूदा मिसाइलों के लिए हैं, बाकी नई मिसाइलों के लिए तैयार रखे गए हैं। एफएएस का अनुमान है कि आने वाले समय में भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ सकती है।

भारत के पास 730 किलो प्लूटोनियम

भारत लगातार अपनी परमाणु ताकत को आधुनिक बना रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कई नए परमाणु सक्षम हथियार सेना में शामिल किए गए हैं। वहीं, कुछ नए हथियार सिस्टम अभी तैयार किए जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की शुरुआत तक भारत के पास करीब 730 किलो हथियार बनाने वाला प्लूटोनियम होने का अनुमान है। इतने प्लूटोनियम से 225 तक वॉरहेड बनाए जा सकते हैं। हालांकि रिपोर्ट खुद साफ करती है कि यह सिर्फ अनुमान है, वास्तविक संख्या वॉरहेड के डिजाइन और रिजर्व में रखी सामग्री पर निर्भर करती है।

रिपोर्ट में अग्नि-5 का भी जिक्र: एक मिसाइल, कई निशाने

एफएएस की रिपोर्ट में अग्नि-5 बेहतर बनाने का भी जिक्र है। कहा गया है कि इस मिसाइल में एमआईआरवी तकनीक का परीक्षण किया गया है। इसका मतलब एक मिसाइल में कई ऐसे वॉरहेड ले जाने की क्षमता विकसित करना है, जिन्हें अलग-अलग लक्ष्यों की ओर भेजा जा सकता है। 2024 के बाद मई 2026 में भी कई पेलोड के साथ परीक्षण हुआ। एफएएस का अनुमान है कि अग्नि-5 संभवत: तीन वॉरहेड ले जा सकती है, हालांकि ऐसा करने पर इसकी अधिकतम रेंज प्रभावित हो सकती है।

नया रिएक्टर भी गेमचेंजर

अप्रैल 2026 में भारत के 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने पहली बार क्रिटिकलिटी हासिल की। एफएएस के अनुमान के मुताबिक 80% क्षमता पर चलने पर यह सालाना करीब 140 किलो प्लूटोनियम-239 पैदा कर सकता है।

ब्रिक्स समिट में जिनपिंग-पुतिन दोनों भारत आएंगे

चीनी राष्ट्रपति का गलवान झड़प के बाद पहला भारत दौरा, पीएम मोदी से बैठक संभव

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

ब्रिक्स समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों भारत आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को जिनपिंग के भारत दौरे की पुष्टि की। इससे दो दिन पहले रूस ने भी पुतिन के भारत आने की पुष्टि की थी।

जिनपिंग का यह 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत का पहला दौरा होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक होने की भी उम्मीद है। 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। चीन ने बाद में अपने चार सैनिकों के मारे जाने की बात मानी थी।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स समिट आयोजित होगा। इसमें चीन और रूस समेत 11 सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे।

AI जनरेटेड

गलवान हिंसा के बाद बिगड़े थे भारत-चीन के रिश्ते

भारत और चीन के रिश्ते 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद बुरी तरह बिगड़ गए थे। इस झड़प में दोनों देशों के सैनिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव काफी बढ़ गया। हालांकि, इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी की कई मौकों पर मुलाकात हुई है। दोनों नेता दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के दौरान आमने-सामने आए हैं। पिछले साल चीन में हुई शंघाई सहयोग संगठन यानी स्स्ह्र की बैठक के दौरान भी दोनों नेताओं की मुलाकात हुई थी। इस बार नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक होने की उम्मीद है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान को 19-0 से हराया: जूनियर एशिया कप में सबसे बड़ी जीत,

पूजा की हैट्रिक; सेमीफाइनल में पहुंची डिफेंडिंग चैंपियन

मोक्वी | एजेंसी
rashtrabaan.in

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने पाकिस्तान पर 19 गोल मारकर रिकॉर्ड जीत दर्ज की। पाकिस्तानी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। यह महिला जूनियर हॉकी में भारत की सबसे बड़ी जीत है। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने गुरुवार को जूनियर एशिया कप के क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने पहले हाफ में 10 और दूसरे हाफ में 9 गोल किए। भारत की पूजा मलिक ने हैट्रिक लगाई। सानिका चंद्रकांत माने, मधु सिदार और सुप्रिया ने 2-2 गोल किए। रोशनी ऐंद ने भी 2 गोल किए।

पहले हाफ में 10 गोल, पूजा मलिक की हैट्रिक: भारत ने पहले ही क्वार्टर में 5 गोल कर दिए थे। पूजा साहू ने 7वें मिनट में खाता खोला, रोशनी ऐंद ने 9वें, तनुश्री दिनेश कडू ने 11वें, सुखवीर कौर ने 13वें और सानिका माने ने 13वें मिनट में गोल किया। दूसरे क्वार्टर में मधु सिदार, गीता यादव, सानिका माने, तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल किए। इससे हाफ टाइम तक भारत 10-0 से आगे था। पूर्णिमा यादव, मधु सिदार और सुप्रिया ने तीसरे क्वार्टर में गोल किए।

आतंकियों ने फिर भेजी कश्मीरी पंडितों को धमकी भरी चिट्ठी

श्रीनगर। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) ने कश्मीरी पंडितों के नाम एक और चिट्ठी जारी की है। यह एक महीने में जारी होने वाली छठवीं चिट्ठी है। इस बार पीएम पैकेज के तहत यहां काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारी निशाने पर हैं। आतंकियों ने इन कर्मचारियों का फोन नंबर, पता और गाड़ियों का ब्योरा भी हासिल किया है। चिट्ठी में गैर स्थानीय कर्मचारियों के शव उनके घर भेजने की धमकी दी गई हैं। इसके बाद कश्मीरी पंडितों के संगठन ऑल पीएम पैकेज एम्प्लॉइज एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री से सुरक्षा के लिए गुहार लगाई है।

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग केस- लालू-तेजस्वी समेत 9 पर आरोप तय

दिल्ली कोर्ट ने 7 आरोपियों को बरी किया; होटलों के टेंडर से जुड़ा मामला

पटना | एजेंसी
rashtrabaan.in

आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को लालू, तेजस्वी, राबड़ी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय कर दिए। कोर्ट ने 7 आरोपियों को बरी कर दिया है।

इस मामले ईडी 16 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले में अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने कहा- राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर

अपराध से इनकम और पद के गलत इस्तेमाल का मजबूत शक है। दोनों पटना की उस जमीन का फायदा उठा रहे हैं, जिसे कथित तौर पर 2005 से 2014 के बीच लालू यादव के कहने पर उनके पक्ष में ट्रांसफर किया गया था। तब लालू रेल मंत्री थे।

निचली अदालत के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी

लालू परिवार ने निचली अदालत के अक्टूबर 2025 के उस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप तय किए गए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इस याचिका का विरोध करते हुए अदालत में कहा कि उनके पास मामले से जुड़े पर्याप्त और पुख्ता सबूत मौजूद हैं। सीबीआई ने कहा कि जांच में कई अहम दस्तावेज और साक्ष्य सामने आए हैं।

बिहार के 14 जिलों में बाढ़, 5 हजार स्कूल बंद: यूपी के बाराबंकी में घर बहे, बरेली में मंदिर डूबा

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

बिहार में पटना, मुंगेर और भागलपुर समेत 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। पांच हजार से ज्यादा स्कूल बाढ़ में डूबने के चलते बंद किए गए हैं।

राज्य में गंगा, कोसी और गंडक जैसी नदियां उफान पर हैं। इनके किनारे के 500 से ज्यादा श्मशान घाट डूबे हैं, जिसके चलते अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है। यूपी में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यहां 26 जिलों में बाढ़ से 4 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। बरेली में प्राचीन मंदिर रामगंगा नदी में समा गया। बाराबंकी में सरयू के पानी में करीब 12 मकान डूब गए।

इधर, एमपी और राजस्थान में फिलहाल बारिश का दौर थमा हुआ है। एमपी में अगले 3 दिन तेज बारिश की संभावना नहीं है। राजस्थान में 11 सितंबर से बारिश शुरू होने का अनुमान है। बुधवार को यहां 10 शहरों में तापमान 35 डिग्री से ऊपर रहा।

गुजरात में शनिवार से तेज बारिश की के आसार

मौसम विभाग ने गुजरात में 12 सितंबर से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वडोदरा समेत दक्षिण गुजरात के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, नवसारी, वलसाड और डांग में 13 सितंबर से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इस पर 128 लाख करोड़ खर्च करने होंगे, यह पाकिस्तान की इकोनॉमी का 3 गुना

ट्रम्प बोले-मिडटर्म चुनाव जीता तो हर वोटर को 5 लाख

वॉशिंगटन | एजेंसी
rashtrabaan.in

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि नवंबर के मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में बहुमत बरकरार रखती है, तो हर बालिग अमेरिकी को 5000 डॉलर (करीब 4.76 लाख रुपए) दिए जाएंगे। ट्रम्प ने यह बयान डलास में रिपब्लिकन कन्वेंशन को संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने इसे 'ट्रम्प डिविडेंड' नाम दिया और कहा कि यह अमेरिका की 'आर्थिक ताकत और सफलता' की वजह से दिया जाएगा।

AI जनरेटेड

ट्रम्प ने ये भी कहा कि डिविडेंड की रकम अमेरिका में ही खर्च करनी होगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा, भुगतान का दायरा क्या होगा और रकम किस तरह बांटी जाएगी।

अमेरिका में करीब 26.98 करोड़ वयस्क हैं। अगर सभी को 5,000 डॉलर दिए जाएं तो कुल खर्च करीब 1.35 ट्रिलियन डॉलर यानी 128.25 लाख करोड़ रुपए होगा। यह रकम दुनिया के करीब 162 देशों की इकोनॉमी से ज्यादा है। विश्व बैंक के 2025 के आंकड़े के मुताबिक इससे ज्यादा सिर्फ 19 देशों की जीडीपी है। यहां तक की यह पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से करीब 3.3 गुना ज्यादा है। पाकिस्तान की जीडीपी करीब 407.3 अरब डॉलर यानी 38.69 लाख करोड़ है।

अमेरिका की जीडीपी के 4% के बराबर खर्च

2025 में अमेरिका की अर्थव्यवस्था करीब 30.8 ट्रिलियन डॉलर की थी। हर बालिग अमेरिकी को 5,000 डॉलर देने की योजना पर करीब 1.3 ट्रिलियन डॉलर खर्च होगा। इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होगी। यह रकम अमेरिका की 2025 की जीडीपी के करीब 4.2% के बराबर है।

वहीं, अमेरिका का सालाना बजट घाटा करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर है। यानी इस योजना से सरकारी खर्च और घाटे पर और दबाव बढ़ सकता है। अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी पहले ही 40 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है। ऐसे में इतनी बड़ी रकम बांटने से सरकारी कर्ज और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

कहानियां बनीं लर्निंग का मजेदार टूल

एक सजे-धजे हॉल में टीनएजर्स का एक समूह बैठा हुआ है। वे सभी किसी बात पर न सिर्फ हंस रहे हैं, बल्कि इंस्ट्रक्टर से लगातार इंटरैक्शन भी कर रहे हैं। मगर यह किसी टीचर की क्लास नहीं है। असल में ब्रिटेन की स्टोरीटेलर एमिली हेनेसी किसी पेड़ के नीचे या हॉल में बड़े ही मजेदार तरीके से एक भारतीय लोक कथा सुनाती हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों में स्टोरीटेलिंग या कथा-कथन किसी-न-किसी रूप में आज भी मौजूद है। हम सभी को बचपन में दादी, नानी कहानियों के जरिए शिक्षा देती रही हैं।

लोक कथाओं या पौराणिक कहानियों से न सिर्फ मन-मस्तिष्क तनाव-मुक्त होता है, बल्कि रोचक अंदाज में सुनाई जाने वाली कहानियों से पढ़ाई की कठिन बातें समझने में भी आसानी होती है। इस बात को नए दौर के शिक्षाविद भी मान रहे हैं। कठिन सवालों के जवाब पपेटियर और स्टोरीटेलर पूरन भट्ट कहते हैं, आपके सामने मैथ्स के कठिन सवाल हों या विज्ञान के थ्योरम्स, इन्हें पपेट (कठपुतली) के जरिए आसानी से समझा जा सकता है। रंगबिरंगे, अलग-अलग आकृति के पपेट मस्तिष्क पर विशेष प्रभाव डालते हैं। अगर इनके मुंह से स्टडी मटेरियल से जुड़ी बातें कहलवाई जाएं, तो ये लंबे समय तक याद रह सकती हैं। कॉलेज स्टूडेंट रोहन ने पिछले दिनों वीकएंड पर पपेट स्टोरीटेलिंग में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने पपेट के जरिए ही कई नई बातें सीखीं। वे कई ऐसे जरूरी काम करना भी सीख गए, जो पहले नहीं कर पाते थे। स्टोरीटेलर पूरन भट्ट बताते हैं कि कहानियां कई तरह की हो सकती हैं। वे पुरानी भी हो सकती हैं और नई भी। स्थान और विषय के हिसाब से पपेट द्वारा कहानियां कही जा सकती हैं।

रिफ्रेश होता है दिमाग

तारों से लटकते हुए तरह-तरह के मास्क... पर्दे के पीछे से बारी-बारी से आती डरावनी और मधुर आवाजें... । इन सब के बीच योरपीय फोक टेल्स सुनाते ब्रिटेन के टिम राल्फ। टिम मॉडर्न आर्ट फॉर्म के जरिए स्टोरीटेलिंग करते हैं। इसके लिए उन्हें स्टोरीटेलिंग एक्सीलेंस का ब्रिटिश अवॉर्ड भी मिल चुका है। उनकी कहानियां सुनने ऐसे किशोर व युवा भी आते हैं, जो अपने ऊपर पढ़ाई का दबाव महसूस करते हैं। टिम कहानियां कहने के लिए संगीत की भरपूर मदद लेते हैं। उनके चेहरे के हाव-भाव देखकर सामने वाला हंसे बिना नहीं रह पाता। वे कहते हैं, इन दिनों किशोरों पर पढ़ाई का दबाव कुछ अधिक है। ऐसी स्थिति में कुछ पल हंसी उन्हें तनाव मुक्त कर देती है। स्टोरीटेलिंग के माध्यम से हम कई नई चीजें भी सीख सकते हैं।

आज के फॉर्मेट में

शकुंतला नॉवेल के लेखक उत्कर्ष पटेल ऑनलाइन टॉकिंग मिथ्स प्रोजेक्ट के संस्थापक भी हैं। इसमें स्टोरीटेलिंग के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप की पौराणिक कहानियों को आर्काइव किया जाता है। इसे सबसे ज्यादा हिट टीन्स से ही मिलते हैं। उत्कर्ष बताते हैं, यदि घिसे-पिटे ढर्रे के बजाए पौराणिक कथाओं को आज के संदर्भ में पेश किया जाए, तो यह न सिर्फ मनोरंजक, बल्कि शिक्षाप्रद भी होगा। हां, इसकी रोचकता बरकरार रहनी चाहिए।

एकाग्रता बढ़ाने में मदद

उषा वेंकटरमन पिछले 18 वर्षों से नाटक और संगीत की मदद से लोगों को भारत और विदेशों की लोक कथाएं व पौराणिक कहानियां सुना रही हैं। वे कहती हैं, मैं गाने गाकर या पपेट के जरिए भारतीय लोक कथाएं और पौराणिक कथाएं सुनाती हूं।
उषा कहानियों के बीच में पहेलियां और चुटकुले भी सुनाती हैं। इसके बाद वे श्रोताओं से सवाल करती हैं। वे कहती हैं, इंटरैक्शन से ही एकाग्रता विकसित होती है। एकाग्रता से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। दरअसल, स्टोरीटेलिंग की ताकत इतनी ज्यादा होती है कि आप कहानियों से जुड़े बिना नहीं रह सकते।

एनडीए- एनए परीक्षा के लिए प्लानिंग के साथ पढ़ाई भी जरूरी है

अगर आप रक्षा सेवाओं में जाकर देश की सेवा करना चाहते हैं और आपमें इसके लिए जरूरी साहस व जज्बा है, तो एनडीए परीक्षा आपका पहला पड़ाव होगी। इस परीक्षा के लिए प्रशिक्षण देने हेतु कई कोचिंग इंस्टीट्यूट तो हैं मगर इसमें सफल होने के लिए आपमें दृढ़ निश्चय और जुनून का होना भी जरूरी है। यदि आप यह परीक्षा देने जा रहे हैं और आपने अभी तक इसकी कोई खास तैयारी नहीं की है, तो सही प्लानिंग के साथ पढ़ाई करना बहुत जरूरी हो जाता है।

सिलेबस

इस परीक्षा में दो पेपर होते हैं - मैथमेटिक्स (120 प्रश्न, 300 अंक) और जनरल एबिलिटी (150 प्रश्न, 600 अंक)। प्रत्येक पेपर ढाई-ढाई घंटे का होता है। हर गलत उत्तर पर 1/3 अंक काटा जाता है। गणित के पेपर में इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- अल्जेब्रा, मेट्राइसेज एंड डिटरमिनेंट्स, ट्रिगॉनोमेट्री, एनालिटिकल ज्योमेट्री ऑफ टू एंड थ्री डायमेंशंस, डिफ्रेंशियल कैल्कुलस, इंटीग्रल कैल्कुलस एंड डिफ्रेंशियल इक्वेशंस, वेक्टर अल्जेब्रा, स्टैटिस्टिक्स एंड प्रॉबेबिलिटी। दूसरे पेपर (जनरल एबिलिटी टेस्ट) में पहला हिस्सा इंग्लिश लैंग्वेज का और दूसरा जनरल नॉलेज का होगा। जनरल नॉलेज के तहत इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- फिजिक्स, केमिस्ट्री, जनरल साइंस, हिस्ट्री, फ्रीडम मूवमेंट, ज्योग्राफी, करंट इवेंट्स।

लास्ट मिनिट टिप्स

जब परीक्षा बिल्कुल सिर पर हो, तो अक्सर विद्यार्थी घबराहट में कुछ-न-कुछ गड़बड़ कर बैठते हैं। इससे बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखें-

- अनावश्यक तनाव आपका सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो सकता है। इसलिए अपने आप पर भरोसा करें और शांत बने रहें।
- आपका दिमाग अच्छी तरह काम करे, इसके लिए पर्याप्त आराम लेना जरूरी है। परीक्षा से पहले की रात अच्छे से सोएं।
- लास्ट मिनिट रिविजन में फॉर्मूलों और शॉर्ट ट्रिक्स पर एक बार फिर नजर डाल लें।
- परीक्षा वाले दिन हल्का और पौष्टिक भोजन लें।
- पेपर सॉल्व करने में टाइम मैनेजमेंट का ध्यान जरूर रखें। जिस प्रश्न का उत्तर तुरंत नहीं सूझ रहा, उस पर समय बर्बाद न करें। आगे बढ़ जाएं। बाद में समय होने पर उस प्रश्न पर लौटें।
- अंत में यदि समय बचे, तो सारे उत्तरों को रिवाइज कर लें।

स्कूली पढ़ाई से अलग कैसे

ऐसी सलाह दी जाती है कि एनडीए एग्जाम की तैयारी 11वीं से ही शुरू कर देनी चाहिए। दरअसल एनडीए एग्जाम का सिलेबस स्कूल करिकुलम जैसा ही है, इसलिए यदि आपने स्कूल में बेसिक कॉन्सेप्ट समझ लिए हैं, तो इस परीक्षा में आपको कोई विशेष दिक्कत नहीं आनी चाहिए। मगर केवल स्कूल की पढ़ाई करने से एनडीए प्रवेश परीक्षा में सफल होने की गारंटी नहीं मिल जाती। कारण यह कि स्कूल आपको इस परीक्षा के लिए तैयार नहीं करते। इसके लिए अलग से कोचिंग लेना ठीक रहता है। किसी मेंटर से मार्गदर्शन लेने और टेस्ट सिरीज सॉल्व करने से आपको फायदा होता है।

ताकत-कमजोरी का आकलन

मॉक टेस्ट पेपर और सैंपल पेपर सॉल्व करने से आप अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन कर सकते हैं। अपनी कमजोरियां पहचानने पर उन्हें जल्द-से-जल्द दूर करने का प्रयास करें। स्पीड भी, एक्यूरेसी भी इस परीक्षा में लाखों होनहार युवा शामिल होते हैं। ऐसे में सफल होने के लिए स्पीड भी जरूरी है और एक्यूरेसी भी। मैथमेटिक्स के हर कैल्कुलेशन के लिए पेन-पेपर का इस्तेमाल करने से बचें। ऐसी ट्रिक्स अपनाएं, जिनसे आप मन में ही कैल्कुलेशन कर सकें। इससे आपकी स्पीड बढ़ेगी। मगर ध्यान रहे, स्पीड के चक्कर में एक्यूरेसी से समझौता न करें क्योंकि इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होती है।

अनुशासन जरूरी

यूं तो किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासन बहुत जरूरी होता है मगर यहां तो आप ऐसे करियर की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें जीवन भर अनुशासन का पालन करना बेहद जरूरी होगा। इसलिए अभी से ही इसकी आदत डाल लें और पूरे अनुशासन के साथ पढ़ाई करें। यह आगे भी आपके काम आएगा।

अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशें

आप हाल ही में कॉलेज से निकले हैं या आपने किसी कंपनी में एक नई पोजिशन पर ज्वॉइन किया है तो आपको इस बात में थोड़ा समय लग सकता है कि आखिरी आपकी मंजिल क्या है और आप क्या कर रहे हैं। इसलिए आपको अपनी करियर आइडेंटिटी पर काम करना जरूरी है। करियर आइडेंटिटी से मतलब दूसरे से अलग करने वाला आपका काम और आप। एक बार आपको यह बात समझ आ गई कि आप अपने ऑफिस में क्यों है, अपने सहकर्मियों को क्या योगदान दे रहे हैं तो यह सब अलग लगने लगेगा। अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशने के लिए आपको ये काम करना होगा।

अलग-अलग चीजें करें

असफल होने का डर हमारे आसपास मंडराता रहता है। लेकिन आपको यह समझना होगा कि कोशिश करने के बाद भी विफल होना गलत नहीं है। अगर आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आपकी करियर आइडेंटिटी क्या है तो आपको अलग-अलग चीजें करने से डरना नहीं चाहिए। जिसने तरह के काम आप करेंगे आप अपने काम को लेकर पैशनेट होएंगे।

शंका है तो जरूर अप्लाई करें

अगर आप अपने करियर के साथ वाकई कुछ खास करना चाहते हैं तो आपको कुछ इंटरेस्टिंग रिस्क लेनी होती है। अगर आपको यह लगता है कि किसी कंपनी में आपको जॉब नहीं मिलेगी तो वहां जरूर अप्लाई करे। अगर आपको करियर आइडेंटिटी डेवलप करनी है तो आपको विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा। अप्लाई करने से ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, आपका रिज्यूमे रिजेक्ट होगा और आप अगली जॉब लिस्टिंग की तरफ देखेंगे।

आपकी इमोशनल अपील

करियर आइडेंटिटी डेवलप करना आसान है जब आपको पता हो कि आप लोगों को किस तरह से इमोशनल अपील कर पाते हैं। क्या आप सुपर रिलायबल है, क्या आप क्रिएटिव है। क्या आप ऐसे शख्स है जो क्राइसेस के दौरान मौजूद रहते हैं।

काम के बारे में सोचे

नौ से पांच की नौकरी में यह भूल जाना आसान है कि पहले स्थान पर क्यों थे जब पूरा समय आपका स्प्रेडशीट्स और मीटिंग्स में गुजर जाए। लेकिन अगर आप काम का केंद्र अपने एक्शंस पर रखें तो आप अपनी करियर आइडेंटिटी को आसानी से बना सकते हैं।

वीसा इंटरव्यू में जाने से पहले समझ लें रूल्स

आज कई स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स यूएस में पढ़ते या काम करते हैं। ऐसे में जब वीसा लेने की बारी आती है तो उसे लेकर काफी असमंजस रहता है। वीसा इंटरव्यू के दौरान छोटी-छोटी गलतियां आपके लिए मुसीबत बन जाती है। बेहतर है कि इंटरव्यू में जाने से पहले आप उसके रूल्स समझ लें। यह जान लें कि आखिर इंटरव्यू के दौरान कौन सी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं है, इससे आप किसी भी तरह की असुविधा से बच सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास व कॉन्सुलेट्स चाहते हैं कि आपका वीसा इंटरव्यू सुरक्षित व सुगम हो। वीसा आवेदक और यूएस मिशन इंडिया के परिसरों में आने वाले सभी लोगों को सुरक्षा नियमों का पालन करना होता है। निषिद्ध वस्तुओं की सूची इस प्रकार है -

- बैटरी ऑपरेटेड या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जैसे मोबाइल फोन, कार की रिमोट चाबी, डिजिटल डायरी, पेजर, कैमरा, ऑडियो-वीडियो कैसेट, कॉम्पेक्ट डिस्क, एमपी3, फ्लॉपी डिस्क, फ्लैश ड्राइव, मेमोरी स्टिक, ब्लू टूथ डिवाइस, लैपटॉप या टैबलेट कम्प्यूटर तथा पोर्टेबल म्यूजिक प्लेयर।
- बड़े शोल्डर बैग/पर्स, ट्रैवल बैग, बैकपैक, ब्रीफकेस या सूटकेस। केवल ऐसे बैग लाने की अनुमति होगी, जो हाथ में उठाए जा सकें, जैसे खुले प्लास्टिक बैग, जिनमें आवेदन से संबंधित कागजात हों या फिर कपड़े की छोटी थैलियां व जिप फोल्डर।
- कोई भी खाद्य या पेय सामग्री।
- कॉस्मेटिक्स (इनमें स्प्रे परफ्यूम/ कोलोन तथा टैलकम/ बेबी पावडर शामिल है)।
- सीलबंद लिफाफे या पैकेज।
- ज्वलनशील पदार्थ, जैसे सिगरेट, सिगार, माचिस, लाइटर।
- चाकू-छुरी व अन्य धारदार वस्तुएं, जैसे कैंची व नेल फाइल।
- हथियार या ऐसी कोई भी वस्तु जिसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
- लंबे हैंडल वाले छाते (जो बंद होने पर 40 सेंटीमीटर से अधिक लंबे हों)।

हालांकि यह सूची संपूर्ण नहीं है। इनके अलावा भी किसी वस्तु पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर, आप अपने साथ जितना कम सामान लेकर आएं, उतना बेहतर होगा।

वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के आसान तरीके

हम सभी कम समय में ज्यादा काम पूरा करने की इच्छा रखते हैं लेकिन लंबे समय में इसे कैसे आदत बनाएं और किस तरह बरकार रख सकते हैं। वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के तीन सामान्य और आसान तरीके अपना सकते हैं।

- व्यक्तिगत जीवन में काम करने के तरीकों में बदलाव लाकर आप ऑफिस में ज्यादा प्रोडक्टिव हो सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, एक समय पर एक काम पर ध्यान देना और यह आपके काम, व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक व सामुदायिक जीवन और स्वास्थ्य को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करेगा। इस बात को उदाहरण से इस तरह समझा जा सकता है कि अगर आप अपने वर्क डेस्क पर ही सैंडविच खा रहे हैं तो यह सबसे पहले बंद कीजिए। बजाए इसके आप अपने पसंद के सहकर्मी के साथ हेल्दी लंच करें। यह आपका स्वास्थ्य, आपकी प्रोफेशनल लाइव और कम्यूनिटी रिलेशन को इम्प्रूव करेगा। आप भले ही लंच लेने को कोई प्रोडक्टिव एक्टिविटी न मानते हो लेकिन इससे आप मल्टीपल गोल्स पूरा करते हैं।
- प्रोडक्टिव होने का एक और तरीका है अपनी एनर्जी और टाइम को मैनेज करना। ऐसे कामों की सूची बनाइए जिसे पूरा करना है लेकिन जिसमें कम मेंटल एनर्जी की जरूरत हो। अगर आप शाम को बेहतर काम कर पाते हैं तो आप सुबह काम की धीमी शुरुआत करें और चैलेंजिंग टास्क को दिन के दूसरे पहर में पूरा करें।
- अगर आपको जरूरी काम दूसरे दिन करना हो तो बेहतर है कि एक रात पहले अपने कैलेंडर को एग्जामिन कर लें। आपके काम को बांट लें और काम को पूरा करने के लिए माइक्रो-गोल्स की लिस्ट तैयार कर लें। प्रोडक्टिविटी का राज अपने कमिटमेंट को पूरा करना और समय के साथ अनुशासन बनाए रखना है। प्राडेक्टिविटी आपके लिए क्या है, अगर आप यह समझ गए तो अपने हाथ के काम को पूरा करने के लिए जरूरी एनर्जी आपको मिलेगी और कम समय में भी आप बेहतर रिजल्ट दे पाएंगे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 11 सितंबर 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

अमझोर-दरौडी में क्रेशर के साथ खदानों की जांच की मांग

ग्रामीणों ने उठाए सवाल, उत्खनन स्थल से खनिज परिवहन तक जांच कराने प्रशासन से की मांग

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

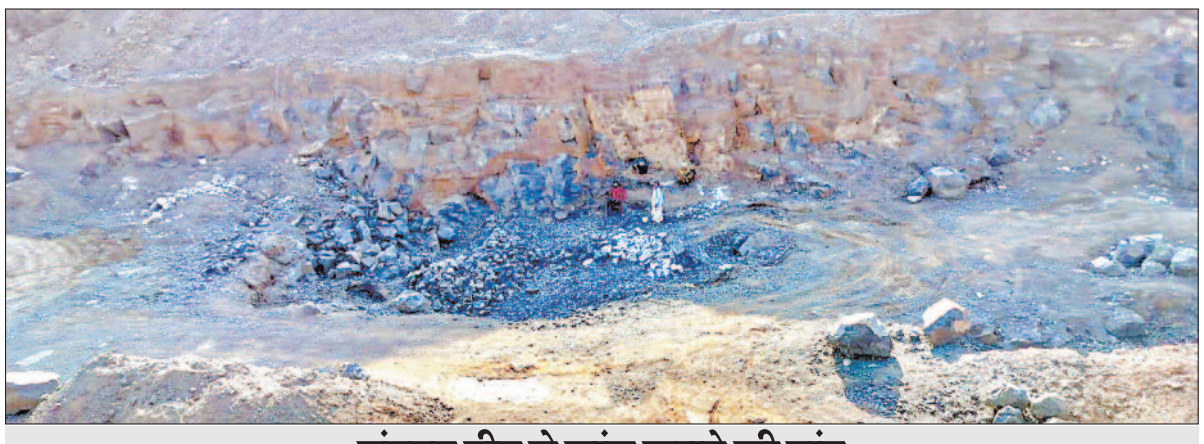

जिले के अमझोर और दरौडी क्षेत्र में क्रेशर इकाइयों के संचालन को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब जानकरों ने संबंधित खदानों की भी जांच कराने की मांग उठाई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि केवल क्रेशर इकाइयों की जांच करने से पूरी स्थिति सामने नहीं आएगी। खनिज कहां से निकाला जा रहा है, खदानों में कितना उत्खनन स्वीकृत है और मौके पर कितना काम हो रहा है, इसकी भी जांच जरूरी है।

खदानों में स्वीकृत क्षेत्र और उत्खनन की हो पड़ताल

जानकरों ने मांग की है कि खनिज विभाग की टीम खदानों में मौके पर पहुंचकर जांच करे। खनन क्षेत्र की सीमा, स्वीकृत गहराई और क्षेत्रफल के साथ उत्खनन की मात्रा का भौतिक सत्यापन कराया जाए। इसके अलावा खदान संचालकों के पास मौजूद अनुमति, लीज संबंधी दस्तावेज और अन्य आवश्यक स्वीकृतियों की भी जांच की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि दस्तावेजों और मौके की स्थिति का मिलान होने पर ही वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

खदान से क्रेशर तक खनिज परिवहन की जांच जरूरी: जानकरों की माने तो खदानों से निकलने वाले खनिज की आवाजाही भी जांच के दायरे में लाई जानी चाहिए। खदान से कितनी मात्रा में सामग्री निकली और कितनी मात्रा में क्रेशर या अन्य स्थानों तक पहुंचाई गई, इसका रिकॉर्ड खंगाला जाए। वाहनों के दस्तावेज, परिवहन अनुमति और खनिज परिवहन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच किए जाने की मांग भी ग्रामीणों ने की है।

संयुक्त टीम से जांच कराने की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि खनिज विभाग, राजस्व विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर अमझोर-दरौडी क्षेत्र की खदानों और क्रेशर इकाइयों का निरीक्षण किया जाए। खदान की लीज से लेकर उत्खनन, भंडारण और परिवहन तक पूरे रिकॉर्ड का मिलान कराया जाए। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधितों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

कार्रवाई का इंतजार

क्रेशर के साथ खदानों की जांच की मांग सामने आने के बाद ग्रामीणों की निगाह अब कार्रवाई पर टिकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौके पर निष्पक्ष जांच होने से ही स्पष्ट हो सकेगा कि खनिज गतिविधियां निर्धारित नियमों के अनुसार संचालित हो रही हैं या नहीं।

● भारी वाहनों से ग्रामीण सड़कें हो रहीं खराब

खनिज सामग्री से भरे भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से ग्रामीण सड़कों पर दबाव बढ़ने की शिकायत है। ग्रामीणों का कहना है कि कई मार्ग पहले से खराब हालत में हैं और भारी वाहनों के कारण उनकी स्थिति और बिगड़ रही है। नियमित जांच के साथ ओवरलोडिंग पर भी निगरानी बढ़ाने की मांग की है।

● धूल और पर्यावरण को लेकर भी चिंता

क्रेशर और खदान क्षेत्रों में उड़ने वाली धूल को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि धूल के कारण आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने खदानों और क्रेशर इकाइयों में पर्यावरणीय मानकों तथा धूल नियंत्रण के इंतजामों की भी जांच कराने की मांग की है।

सीसी रोड निर्माण का सीएमओ ने किया निरीक्षण

शहडोल। नगर में चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने गुरुवार को विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने पुराना नगर पालिका चौक से पुलिस लाइन होकर गुजरने वाली निर्माणाधीन सीसी रोड के कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने निर्माणाधीन सड़क की गुणवत्ता और कार्य की गति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में निर्धारित मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य को तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि नागरिकों को जल्द सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब के विरुद्ध पुलिस की छापामार कार्रवाई

लालबर्रा | संवाददाता
rashtrabaan.in

पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देशन एवं थाना प्रभारी लालबर्रा के मार्गदर्शन में थाना लालबर्रा पुलिस द्वारा अवैध कच्ची महुआ शराब के निर्माण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना लालबर्रा पुलिस के समस्त स्टाफ द्वारा ग्राम बोरीटोला क्षेत्र में पहुंचकर नदी किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में संचालित अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब बनाने के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध शराब निर्माण में उपयोग किए जा रहे ठिकानों की जांच की गई तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के पश्चात पुलिस टीम द्वारा ग्रामीणों के बीच जागरूकता चौपाल आयोजित कर अवैध शराब के सेवन एवं निर्माण से होने वाले सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों से अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा नशे से दूर रहने की अपील की गई।

महिला स्व सहायता समूह महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

15 सितंबर से चूल्हा बंद की चेतावनी

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष सरिता ओमप्रकाश सिंह बघेल ने 09 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना एवं साझा चूल्हा कार्यक्रम के संचालन में कार्यरत महिला स्व सहायता समूहों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शासन के प्रमुख जिम्मेदारों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से केंद्रीय मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग शिवराज सिंह चौहान, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं आयुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल से समूहों की लंबित समस्याओं का शीघ्र निराकरण करते हुए 14 सितंबर तक उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय-सीमा तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो 15 सितंबर 2026 से प्रदेश भर में महिला स्व सहायता समूहों द्वारा चूल्हा बंद आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पीएम पैकेज से बैगा परिवारों को मिलेगा 2.5 लाख का आवास :

मंत्री विजय शाह बोले- बैगा बस्तियों में सालभर में सड़क, बिजली और पानी पहुंचाएंगे

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट के बैहर में बैगा बच्चों की मौत के बाद गुरुवार को जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय शाह ने अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बैगा बहुल इलाकों में सड़क, बिजली, पानी और आवास की व्यवस्था एक साल में पूरी करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के पैकेज से बैगा अंचल की तस्वीर बदलेगी।

मंत्री ने बैगा बहुल इलाकों में नर्सिंग स्टाफ और बाल विकास परियोजना के खाली पद 15 दिन में भरने के निर्देश दिए। बैगा लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बैहर, बिरसा और परसवाड़ा विकासखंड में एक-एक एंबुलेंस देने की बात भी कही।

हर बैगा बस्ती तक पक्की सड़क बनाने का दावा

मंत्री ने कहा कि कोई भी बैगा बस्ती पहुंचविहीन नहीं रहेगी। सभी बस्तियों में सीमेंट-कंक्रीट सड़क बनाई जाएगी। बिजली और पानी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। बैगा परिवारों को प्रधानमंत्री आवास के लिए 2.5 लाख रुपए दिए जा रहे हैं।

भोजन की फोटो वरिष्ठ अधिकारियों को भेजनी होगी

छात्रावास में सुबह और रात के भोजन के साथ अधीक्षक को सेल्फी लेकर वरिष्ठ अधिकारी को भेजनी होगी। हर महीने पालकों की बैठक होगी। बच्चों के लिए कोचिंग की व्यवस्था भी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि किसी छात्रावास का परीक्षा परिणाम 33 प्रतिशत से कम आने पर अधीक्षक को हटा दिया जाएगा।

स्वयं सहायता समूह चलाएंगे बैगा मार्ट

बैगा बहुल इलाकों में मॉल की तर्ज पर 'बैगा मार्ट' खोलने की योजना पर काम चल रहा है। इनका संचालन स्वयं सहायता समूह करेंगे। मार्ट के लिए समूहों को 5 करोड़ रुपए का कर्ज और 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिलाने की बात मंत्री ने कही। इन मार्ट से स्थानीय युवाओं को भी जोड़ा जाएगा। उन्हें 25 प्रतिशत छूट पर सामान मिलेगा। मार्ट में बैगा समुदाय के लोगों के लिए कपड़े और दूसरी जरूरी चीजें सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने की योजना है।

छात्रावास में अधीक्षक की रात में मौजूदगी जरूरी

मंत्री ने बताया कि जनजातीय छात्रावासों में रहने वाले बच्चों का महीने में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण और हर बच्चे का हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा। अधीक्षक को रात में छात्रावास में ही रहना होगा। वहां नहीं रहने वाले अधीक्षक को अगले दिन कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

मवेशियों से भरे दो वाहन पकड़े, दो चालक गिरफ्तार

शहडोल। जिले में मवेशियों की अवैध तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीधी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ग्राम कुदरी के जंगल में नाकाबंदी कर एक मिनी ट्रक और एक पिकअप वाहन को पकड़ा। दोनों वाहनों से क्रूरतापूर्वक भरे 37 मवेशी बरामद किए गए। कार्रवाई के दौरान वाहनों में सवार चार आरोपी पुलिस को चकमा देकर जंगल की ओर भाग निकले, जबकि दोनों वाहन चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध मवेशी तस्करी के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सीधी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो वाहनों में मवेशियों को भरकर कोतमा से जैतपुर के रास्ते उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम कुदरी के जंगल में नाकाबंदी कर वाहनों का इंतजार शुरू किया। कुछ देर बाद संदिग्ध मिनी ट्रक और पिकअप वाहन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों वाहनों को रोक लिया। पुलिस की नाकाबंदी देखकर वाहनों में सवार चार लोग जंगल की ओर भाग निकले। पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर आरोपी फरार होने में सफल रहे।

मिनी ब्राजील विचारपुर की छह बेटियों का राष्ट्रीय फुटबॉल कैंप के लिए चयन

अंडर-16 स्टेट टूर्नामेंट में शहडोल की टीम रही उपविजेता, राधिनी सिंह ने दागे 8 गोल

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

फुटबॉल के लिए अपनी अलग पहचान बना चुके ग्राम विचारपुर की बेटियों ने एक बार फिर जिले का मान बढ़ाया है। 'मिनी ब्राजील' के नाम से प्रसिद्ध विचारपुर स्थित खेलो इंडिया स्माल सेंटर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छह बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों का राष्ट्रीय फुटबॉल कैंप के लिए चयन हुआ है। यह उपलब्धि शहडोल में बालिका फुटबॉल की बढ़ती लोकप्रियता और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।

महू में 31 अगस्त से 4 सितंबर तक आयोजित एआईएफएफ इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-16 गर्ल्स फुटबॉल टूर्नामेंट में शहडोल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। लीग मुकाबलों में शहडोल ने ग्वालियर को 10-0 और महू की टीम को भी 10-0 से करारी शिकस्त दी। फाइनल में इंदौर के खिलाफ टीम को 1-0 से हार मिली, जिसके चलते शहडोल को उपविजेता के खिताब से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर शहडोल की आठ खिलाड़ियों का राष्ट्रीय फुटबॉल कैंप के लिए चयन किया गया है।

विचारपुर की छह खिलाड़ी चयनित

राष्ट्रीय कैंप के लिए चयनित आठ खिलाड़ियों में विचारपुर स्थित खेलो इंडिया स्माल सेंटर की छह खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें राधिनी सिंह, संध्या सहीस, मोनिका सिंह, चांदनी यादव, राधा सिंह और वाशु शामिल हैं। इसके अलावा दिव्या संत और दिव्या बैगा ने भी राष्ट्रीय कैंप में जगह बनाई है।

राधिनी ने दिखाया दम, आठ गोल किए

टूर्नामेंट में राधिनी सिंह शहडोल की ओर से सबसे प्रभावी खिलाड़ियों में रहीं। उन्होंने प्रतियोगिता में कुल आठ गोल दागकर सर्वाधिक गोल करने वाली खिलाड़ी का गौरव हासिल किया। राधिनी ने पहले मुकाबले में पांच और दूसरे मैच में तीन गोल किए। राधिनी की नियमित पोजीशन सेंटर है लेकिन टीम के गेम प्लान के तहत उन्हें फारवर्ड लाइन में उतारा गया। इस भूमिका में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीमों के खिलाफ आठ गोल दागे। कक्षा दसवीं में अध्ययनरत राधिनी विचारपुर के खेलो इंडिया स्माल सेंटर में कोच लक्ष्मी सहीस से प्रशिक्षण ले रही हैं। कोच ने बताया राधिनी कम उम्र में ही अपने खेल से अलग पहचान बना चुकी हैं। वह अब तक तीन राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। राष्ट्रीय कैंप में चयन के साथ उन्हें चौथे राष्ट्रीय अवसर का इंतजार है।

राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका

चयनित खिलाड़ी इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कैंप में हिस्सा लेंगी। कैंप के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन कर मध्यप्रदेश की राष्ट्रीय अंडर-16 बालिका फुटबॉल टीम का चयन किया जाएगा। चयनित टीम आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जाएगी। विचारपुर से एक साथ छह खिलाड़ियों का राष्ट्रीय कैंप के लिए चयन होना जिले के बालिका फुटबॉल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। अब इन खिलाड़ियों के पास राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाने के लिए अपने खेल को साबित करने का सुनहरा अवसर है। उनकी सफलता से शहडोल में बालिका फुटबॉल को नई पहचान मिलने के साथ ही अन्य बेटियों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में गूंजे सुर

संभाग स्तरीय आयोजन संपन्न, वरिष्ठ वर्ग में प्रांजल और कनिष्ठ में अरहान रहे प्रथम

शहडोल | संवाददाता
rashtrabaan.in

महान पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की स्मृति में आयोजित लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता का संभाग स्तरीय आयोजन गुरुवार को शहडोल के महिला सभागार में संपन्न हुआ। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति परिषद एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में शहडोल संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कलाकारों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने वरिष्ठ एवं कनिष्ठ दो वर्गों में शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी संस्कृति परिषद की ओर से संदेश नाट्य मंच समिति (रंग मंडल), उमरिया के निदेशक एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के स्नातक पंकज दुबे को दी गई थी।

वरिष्ठ वर्ग में प्रांजल, कनिष्ठ में अरहान प्रथम

निर्णायक मंडल में उमरिया शासकीय स्कूल के प्राचार्य एवं शास्त्रीय संगीत के जानकार राकेश उर्मालिया, अमरकंटक विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. अभय दुबे तथा शहडोल की शास्त्रीय संगीत प्रशिक्षित साक्षी गौतम शामिल रहीं। निर्णायकों के निर्णय के अनुसार वरिष्ठ वर्ग में प्रांजल रावत ने प्रथम, स्नेहा चतुर्वेदी ने द्वितीय और अमित कुमार गौतम ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं कनिष्ठ वर्ग में अरहान खान प्रथम, मौमिता सरकार द्वितीय और सान्वी नंदा तृतीय रहीं। विजेता प्रतिभागियों को संस्था की ओर से चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इंदौर में संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे विजेता

प्रतियोगिता के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी इंदौर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में शहडोल संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का मंच संचालन अरुण द्विवेदी ने किया। बिलासपुर से आए चित्रकार एवं रंगकर्मी सोमनाथ भट्टाचार्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। वहीं स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम के संयोजन और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी रंगकर्मी प्रकाश राव ने संभाली।

गांवों में संभागायुक्त ने लगाई चौपाल : परेशान गांववालों ने बताई परेशानियां

पशु चिकित्सा और कृषि अधिकारी को नोटिस

बालाघाट | संवाददाता
rashtrabaan.in

बालाघाट जिले के बैहर क्षेत्र के बीमारी प्रभावित गांवों का संभागायुक्त धनंजय सिंह दौरा कर रहे हैं। उनकी चौपाल में ग्रामीण लगातार अपनी समस्याएं बता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। कई ग्रामीणों के पास दस्तावेज तक नहीं होने की जानकारी मिली है। यही वजह है कि शिविरों में ग्रामीणों से बड़ी संख्या में दस्तावेज बनवाने के लिए आवेदन लिए गए हैं।

बालाघाट जिले के दूरस्थ बैगा जनजाति बहुल गांवों में बीमारी फैलने के बाद शासन और प्रशासनिक अधिकारी प्रभावित क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। संभागायुक्त धनंजय सिंह दो दिनों से प्रभावित क्षेत्र के गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से बातचीत कर रहे हैं और उनकी समस्याओं से अवगत हो रहे हैं।

अधिकारियों को दिए निर्देश

संभागायुक्त सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के दस्तावेज नहीं बने हैं, तो उन्हें तैयार कर सभी लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाया जाए।

ग्राम घुम्मुर में पशुओं के टीकाकरण में लापरवाही के लिए उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को नोटिस जारी करने और एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह, कृषि विभाग की योजनाएं पहुंचाने में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी का काम संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उन्हें भी नोटिस जारी कर एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शुक्रवार 11 सितंबर 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

जिला अस्पताल में चरमराई स्वास्थ्य व्यवस्था

जांच मशीनें ठप होने से तड़पती रही मासूम और भटकते रहे बेबस परिजन

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला चिकित्सालय में इंसानियत और स्वास्थ्य सेवाओं को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ एक मासूम बच्ची इलाज के लिए जिंदगी और मौत से जूझती रही और लाचार परिजन अस्पताल के चक्कर काटने को मजबूर थे। सुबह-सुबह लिया गया ब्लड सैंपल दोपहर ढलने तक रिपोर्ट में तब्दील नहीं हो सका, और जब बदहवास परिजनों ने सवाल दागे, तो अस्पताल प्रशासन ने मशीन खराब है का घिसा-पिटा रोना रोकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ लिया। अस्पताल के गलियारों में बच्ची की बिगड़ती तबीयत और परिजनों की बेबसी का यह दर्दनाक वीडियो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है, जिसने जिला अस्पताल के दावों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं।

इस पूरे प्रशासनिक स्याह सच से पर्दा उठाते हुए सिविल सर्जन ने अस्पताल की पैथोलॉजी लैब की ऐसी बदहाल तस्वीर पेश की है, जिसे सुनकर किसी का भी खून खौल उठे। सिविल सर्जन ने मीडिया को दो टूक लफ्जों में कबूल किया कि अस्पताल में रखी तमाम जांच मशीनें अब कचरे के ढेर और फेंकने लायक हो चुकी हैं, जिनके भरोसे हजारों मरीजों का ईलाज टिका हैं। हद तो यह है कि आला अधिकारियों से लेकर शासन-प्रशासन तक अनगिनत खत भेजने के बावजूद व्यवस्था के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी, और हर बार की तरह कागजी पत्राचार के नीचे जनता की जिंदगी को पिसने के लिए छोड़ दिया गया।

लापरवाही की इंतहा यहीं खत्म नहीं होती, सरकारी पैसों की बर्बादी और नाकामी का सबसे बड़ा सबूत यह है कि एक महीने से नई चमचमाती मशीनें अस्पताल के कमरे में धूल फांक रही हैं। सिविल सर्जन के मुताबिक, मशीन तो आ गई लेकिन उसे चलाने के लिए न तो अमले को ट्रेनिंग दी गई और न ही जांच के लिए जरूरी रीएजेंट (रसायन) मुहैया कराया गया। यानी एक तरफ मरीज जांच के अभाव में अस्पताल के फर्श पर तड़प रहे हैं, और दूसरी तरफ सिस्टम की नाकामी और अनदेखी की वजह से लाखों की नई मशीनें शो-पीस बनी सफेद हाथी साबित हो रही हैं।

मौतों का जिम्मेदार कौन

अब सवाल यह उठता है कि क्या सरकारी कागजों में चल रही इन बदहाल व्यवस्थाओं का खमियाजा यूं ही बेकसूर मरीजों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ेगा? जब बीमारी में हर एक सेकंड जिंदगी और मौत का फासला तय करता है, तब एक महीने से बंद पड़ी नई मशीनों, नदारद रीएजेंट और अप्रशिक्षित कर्मचारियों का गुनहगार आखिर कौन है? अस्पताल प्रबंधन और बेपरवाह आला हुक्मरान आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ करते रहेंगे, इसका जवाब अब सिवनी की जनता मांग रही है।

इनका कहना है।

'आज यह पूरा मामला मेरे संज्ञान में आया है। जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को पूर्णतः सुदृढ़ और व्यवस्थित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। मरीजों को किसी भी तरह की असुविधा न हो और भविष्य में इस प्रकार की समस्या पुनरावृत्त न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। अस्पताल में जो भी आवश्यक सुधार और तकनीकी जरूरतें हैं, उन्हें बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें।'

-डॉ. पंकज दुबे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिवनी

किताबों से दूर, स्क्रीन के पास

छात्रों की एकाग्रता और मानसिक सेहत पर मोबाइल का साया

डिजिटल भटकाव, घटती एकाग्रता और मानसिक तनाव के बीच संतुलन साधने की अनिवार्य चुनौती; करियर निर्माण के नाजुक दौर में युवाओं की बौद्धिक ऊर्जा को सुरक्षित रखने की आवश्यकता।

आज की युवा पीढ़ी के हाथों में मुद्रित पुस्तकों के पन्ने कम और स्मार्टफोन की चमकती हुई नीली स्क्रीन कहीं अधिक दिखाई देती है। ऑनलाइन पढ़ाई, डिजिटल साक्षरता और सूचना क्रांति के नाम पर शुरू हुआ यह सफर अब 'डिजिटल भटकाव' के एक गंभीर मानसिक संकट में तब्दील हो चुका है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, बौद्धिक परिपक्वता और भविष्य संवारने की उम्र में स्मार्टफोन छात्रों के समय, मानसिक शांति और एकाग्रता का सबसे बड़ा हरणकर्ता सिद्ध हो रहा है।

गंभीर प्रभाव एवं व्यावहारिक संकट

-अटेंशन स्पैन का संकुचन : 30 से 60 सेकंड की रील्स और शॉर्ट्स देखने की लत ने मस्तिष्क के प्राकृतिक धैर्य को क्षीण कर दिया है। छात्र अब 20-25 मिनट भी बिना विचलित हुए किसी गंभीर विषय पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते।

-तुलना, चिंता और फोमो : सोशल मीडिया पर सहपाठियों व अनजान लोगों की चुनिंदा और चमकदार जिंदगी देखकर युवाओं में आत्म-संदेह, असफलता का भय और अनियंत्रित मानसिक तनाव घर कर रहा है।

-मेलाटोनिन हार्मोन एवं अनिद्रा : देर रात तक स्क्रीन से निकलने वाली कृत्रिम नीली रोशनी नींद के नियामक मेलाटोनिन को रोक देती है। अधूरी नींद का सीधा असर मानसिक तनाव और तार्किक क्षमता पर पड़ता है।

-सपनों का डिजिटल क्षरण : पढ़ाई के मध्य केवल एक मिनट के लिए सोशल मीडिया खोलना कब 2 से 3 घंटे की निरंतर बर्बादी में बदल जाता है, इसका भान परीक्षा निकट आने पर होता है।

डिजिटल अनुशासन की रूपरेखा

● **पोमोडोरो अध्ययन तकनीक :** 50 मिनट का गहन, केंद्रित अध्ययन और उसके पश्चात 10 मिनट का पूर्णतः ऑफलाइन विश्राम। पढ़ाई के दौरान फोन को डू नॉट डिस्टर्ब मोड पर रखकर दूसरे कक्ष में रखें।

● **स्क्रीन-मुक्त क्षेत्र एवं डिजिटल डिटॉक्स :** अध्ययन कक्ष, भोजन की मेज और शयनकक्ष को डिजिटल उपकरणों से शत-प्रतिशत मुक्त रखें। रात्रि में सोने से ठीक एक घंटा पूर्व सभी स्क्रीन को बंद करने का नियम बनाएं।

● **वास्तविक जगत और संवाद से जुड़ाव :** मैदानी खेल, शारीरिक व्यायाम, पुस्तकालयों का प्रत्यक्ष उपयोग और परिवार व मित्रों के साथ आमने-सामने संवाद को अपनी दिनचर्या में पुनः प्राथमिक स्थान दें। तकनीक मानव प्रगति और ज्ञान अर्जन का सशक्त साधन है, जीवन का नियंत्रक नहीं। यदि युवा पीढ़ी ने समय रहते आभासी दुनिया के इस मायाजाल से निकलकर वास्तविक परिश्रम और बौद्धिक साधना का मूल्य नहीं समझा, तो राष्ट्र अपनी सबसे ऊर्जावान और रचनात्मक युवा शक्ति को डिजिटल शून्य में खो देगा।

लेखक परिचय :
लेखक : डॉ. मान गोली
आत्मज : श्री चंद्र मोहन गोली
(लेखक स्वतंत्र विचारक, समकालीन शिक्षा एवं युवा मनोविज्ञान के शोधार्थी हैं)

अनुसंधान संदर्भ (विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं मनोचिकित्सा विमर्श) अध्ययनों के अनुसार, 3 घंटे से अधिक का अनियंत्रित स्क्रीन समय युवाओं में अवसाद और कॉग्निटिव फटीग (संज्ञानात्मक थकान) की संभावना को 40% तक बढ़ा देता है।

सिवनी के वेयरहाउस में नाग-नागिन का जोड़ा दिखा

कर्मचारियों ने काम के दौरान देखा; स्नेक कैचर ने आधे घंटे में रेस्क्यू किया

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले के घंसौर विकासखंड के खमरिया क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक वेयरहाउस में नाग-नागिन का जोड़ा दिखाई दिया। दोनों सांपों को एक साथ देखकर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारियों ने तुरंत सुरक्षित दूरी बनाई और स्नेक कैचर को सूचना दी।

खमरिया निवासी पवन शिवहरे के वेयरहाउस में कर्मचारी काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें नाग-नागिन का जोड़ा नजर आया। सूचना मिलने पर स्नेक कैचर बबलू नामदेव मौके पर पहुंचे। वेयरहाउस में जगह कम होने के कारण उन्होंने सावधानी से रेस्क्यू शुरू किया।

करीब आधे घंटे की कोशिश के बाद दोनों सांपों को सुरक्षित पकड़ लिया गया। इसके बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर जंगल में छोड़ दिया गया। राहत की बात रही कि घटना में किसी कर्मचारी को नुकसान नहीं हुआ।

बारिश में बढ़ जाती है सांपों की हलचल

घंसौर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बारिश के मौसम में सांपों के आबादी वाले क्षेत्रों में निकलने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। लगातार बारिश से बिल और झाड़ियों में पानी भरने के कारण सांप सूखी और सुरक्षित जगह की तलाश में बाहर निकलते हैं। इस दौरान वे घरों, गोदामों, वेयरहाउस, लकड़ी के ढेर, खेतों और वाहनों के आसपास पहुंच जाते हैं।

सांप दिखे तो खुद पकड़ने की कोशिश न करें

विशेषज्ञों के अनुसार नाग जहरीला सांप है और खतरा महसूस होने पर हमला कर सकता है। इसलिए सांप दिखाई देने पर उसे छेड़ना, घेरना या मारने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। बच्चों और परिवार के सदस्यों को सुरक्षित दूरी पर ले जाकर प्रशिक्षित स्नेक कैचर या वन विभाग को सूचना देना चाहिए।

11 कारोबारियों पर 1.80 लाख का जुर्माना, दूध से लेकर किराना तक जांच के घेरे में

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों और बेपरवाह कारोबारियों की अब खैर नहीं है। कलेक्टर नेहा मीना के कड़े रुख के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। जुलाई 2026 से जारी इस ताबड़तोड़ छापेमारी के तहत अपर कलेक्टर न्यायालय ने नियम-कायदों की धज्जियां उड़ाने वाले 11 खाद्य कारोबारियों पर 1.80 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना ठोका है। दूध की डेरियों से लेकर नामचीन होटलों और किराना दुकानों तक, मिलावट के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए हर तरफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और फूड निरीक्षक।

लगातार हो रही इस सर्जिकल स्ट्राइक से गैर-जिम्मेदार व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। गंदगी के बीच खाना परोसने वाले साईं प्रसाद टाइगर रिसोर्ट पर 25 हजार रुपये की गाज गिरी है, तो बिना रजिस्ट्रेशन धड़ल्ले से दुकान चलाने वाले हीरालाल सूर्यवंशी और पवन शिवहरे पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना ठोंका गया है। इतना ही नहीं, घटिया क्वालिटी का सामान बेचने पर मनोहर अमृत तुल्य चाय पर 10 हजार, गुटखा बेचने पर अभिषेक बघेल पर 10 हजार और लखनादौन के दूध विक्रेता किशोरी लाल यादव पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाकर कड़ा संदेश दिया गया है।

कार्रवाई की यह आंच यहीं ठंडी नहीं हुई है विभाग की टीम हर कोने में दबिश देकर खाने-पीने के सैंपल उठा रही है। हाल ही में इंडियन कॉफी हाउस के किचन का मुआयना किया गया, तो वहीं सोनू दूध डेयरी से दूध, बालाजी होटल से नमकीन-मैदा और अरी-बरघाट की किराना दुकानों से पान मसाला, दाल व सूजी के सैंपल जब्त कर भोपाल की राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने साफ कर दिया है कि आम जनता की थाली में जहर परोसने वाले मिलावटखोरों और बिना लाइसेंस के मनमानी करने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा यह हंटर आगे भी इसी रफ्तार से चलता रहेगा।

सिवनी में गोभी से भरा ट्रक पलटा :चालक घायल; सड़क पर बिखरी बोरियों से लगा जाम

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घोघरी घाटी के पास गुरुवार सुबह गोभी से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक नीरज यादव घायल हो गया, जिसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद ट्रक में भरी गोभी की बोरियां हाईवे पर चारों तरफ बिखर गईं। इसके चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की रफ्तार थम गई और कुछ देर के लिए यातायात पूरी तरह ठप हो गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बोरियों को सड़क से हटवाया गया, तब जाकर यातायात बहाल हो सका। पुलिस के मुताबिक घोघरी घाटी का इलाका काफी घुमावदार और ढलान वाला है, जहां तेज रफ्तार या अचानक संतुलन बिगड़ने से अक्सर हादसे होते हैं। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को हाईवे से हटा दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक आयोजित

किसानों को समय पर बीज और खाद उपलब्ध हो

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

जिला पंचायत सभाकक्ष में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की अध्यक्षता में जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन सहित जिले में खाद-बीज की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था, उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने की कार्ययोजना, किसानों को सतत विद्युत आपूर्ति तथा जीरामजी योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में सर्वप्रथम पूर्व बैठक के पालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा की गई। इसके पश्चात जिले में खाद एवं बीज की उपलब्धता तथा किसानों को इसके सुगम वितरण की व्यवस्था पर चर्चा की गई। सांसद श्री कुलस्ते ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को आवश्यकता के अनुरूप समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण व्यवस्था को सुचारू एवं व्यवस्थित रखा जाए।

बैठक में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिले में उद्यानिकी क्षेत्र की संभावनाओं, किसानों को प्रोत्साहित करने तथा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसी क्रम में किसानों को सतत एवं पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की कार्ययोजना की समीक्षा की गई। विद्युत आपूर्ति से संबंधित व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

इसके अतिरिक्त जीरामजी योजना के अंतर्गत जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया, विधायक दिनेश राय, विधायक रजनीश सिंह, सीईओ जिला पंचायत अंजली शाह सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

24 म.प्र. बटालियन एनसीसी का वार्षिक निरीक्षण

ले. कर्नल अमनप्रीत सिंह ने कैडेट्स को दिया राष्ट्र सेवा और अनुशासन का संदेश

सिवनी | संवाददाता
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय पी.जी. कॉलेज सिवनी में 10 सितंबर 2026 को 24 म.प्र. बटालियन एनसीसी, छिंदवाड़ा के एडीएम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अमनप्रीत सिंह और सूबेदार चरण सिंह का आगमन हुआ।

महाविद्यालय में पहुंचने पर डॉ. एम.एस. बघेल एवं डॉ. एस.पी. सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। दौरे के दौरान ले. कर्नल अमनप्रीत सिंह ने एनसीसी इकाई के आवश्यक अभिलेखों, रिकॉर्ड्स और गतिविधियों की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके उपरांत उन्होंने कैडेट्स के साथ संवाद साधते हुए उन्हें अनुशासन, समर्पण, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक व्यक्तित्व निर्माण का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कैडेट्स को एनसीसी के माध्यम से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाकर राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया, जिससे पूरे परिसर में भारी उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433